नईदुनिया

भारत-चीन के विदेशमंत्री मिले, टकराव वाले इलाकों से सैनिकों की वापसी प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा

रियो डी जेनेरियो

भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में चल रहे जी-20 शिखर सम्मेलन से अलग एक बैठक में मुलाकात की। बैठक में पर्वतीय क्षेत्र पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग की सीमाओं से दोनों देशों की सेनाओं की वापसी की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। सीमाओं पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास टकराव के दो बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस प्रक्रिया के पूरी होने के बाद दोनों पक्षों के बीच यह पहली उच्चस्तरीय बैठक है।

भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर ने एक्स हैंडल पर लिखा, रियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान सीपीसी (चीनी कम्युनिस्ट पार्टी) पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीन के विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात की। हमने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों से हालिया सैन्य वापसी प्रक्रिया में हुई प्रगति पर गौर किया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों की दिशा में अगले कदमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वैश्विक स्थिति पर भी चर्चा की। ब्राजील दो दिवसीय (18-19 नवंबर) जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए दुनिया के प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के वरिष्ठ सदस्यों में विदेशमंत्री जयशंकर भी हैं।

न्यूज ब्रीफ

20 नवंबर 1979 : मस्जिद पर 200 बंदूकधारियों ने हमलाकर सऊदी के प्रिन्स को दी थी खुली चुनौती

रियाद। 20 नवंबर 1979 को सऊदी में एक भयानक घटना हुई थी। इस दिन जुहैमान अल-उतैबी के नेतृत्व

में एक हथियारबंद समूह ने बड़ी मस्जिद पर कब्जा कर लिया था, जो इस्लाम का सबसे पवित्र स्थल है। इस हमले ने न सिर्फ सऊदी अरब, बल्कि पूरे मुस्लिम दुनिया को हिला दिया और सऊदी अरब की राजनीति को नया मोड़ दिया। सऊदी अरब का मक्का शहर जो दुनिया भर के मुसलमानों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। पूर्व सैनिक और धार्मिक उपदेशक जुहैमान अल-उतैबी ने अपने अनुयायियों के साथ मिलकर सऊदी शासकों के खिलाफ विद्रोह का आह्वान किया था। वह यह मानता था कि सऊदी अरब में धार्मिक क्रांति की जरूरत है। 20 नवंबर की सुबह करीब 50,000 लोग काबा की ओर नमाज पढ़ने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस समय अचानक 200 हथियारबंद हमलावरों ने मस्जिद में घुसकर श्रद्धालुओं को बंधक बना लिया और इमाम को गोली मारने की धमकी दी। उन्होंने माइक पर ऐलान किया कि काबा और सऊदी शासन को अधर्मियों से बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके बाद, हमलावरों ने बंदूकें निकालीं और मस्जिद के सभी द्वार बंद कर दिए। सऊदी सरकार के लिए बड़ी चुनौती सुरक्षा बलों की शुरुआती प्रतिक्रिया बहुत धीमी थी, क्योंकि उस समय के क्राउन प्रिंस फहद बिन अब्दुलअजीज और अन्य प्रमुख राजनेता विदेश यात्रा पर थे। जब सऊदी पुलिस ने मस्जिद के आसपास पहुंचने की कोशिश की, तो उन पर गोलीबारी हुई और उन्हें भागना पड़ा। यह घटना न केवल सऊदी सुरक्षा बलों के लिए बल्कि पूरी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई। मस्जिद की बड़ी इमारत और उसकी संरचना ने इसे सुरक्षा बलों के लिए एक कठिन लक्ष्य बना दिया था। सऊदी सेना का हमलावरों के खिलाफ ऑपरेशन सऊदी सेना ने इस स्थिति को गंभीरता से लिया और बख्तरबंद वाहनों, तोपों और मिसाइलों का उपयोग करके हमलावरों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया।

इजरायल ने लेबनान के संसद भवन और दूतावासों पर किया हमला

बेरूत। सोमवार देर रात इजरायल ने लेबनान की राजधानी में घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र को

निशाना बनाया। हमलों में बेरूत के जिस क्षेत्र को निशाना बनाया गया वहां से पास में ही संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, संसद भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय और कई दूतावास हैं। लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने कहा कि बेरूत के जौक अल-ब्लाट इलाके में दो मिसाइलें गिरी हैं। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब खबर आई है कि अमेरिकी दूत ने युद्धविराम वार्ता के लिए अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। हमले के कुछ ही मिनटों बाद, लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सभी देशों और निर्णयकर्ताओं से यह अपेक्षित है कि वे लेबनान पर खूनी और विनाशकारी इजराइली हमलों को रोकें और अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों, विशेष रूप से प्रस्ताव 1701 को लागू करें।' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को 2006 में अपनाया गया था, जिसका उद्देश्य दक्षिणी लेबनान में एक बफर जोन बनाना तथा इजराइल और हिजबुल्ला के बीच शत्रुता को समाप्त करना था। एक महीने से ज्यादा समय तक के विराम के बाद मध्य बेरूत पर लगातार दूसरे दिन इजराइल ने हमला किया।

एलन मस्क की कंपनी ने भारत की सैटेलाइट को अंतरिक्ष में पहुंचाया

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स की मदद से भारत की सैटेलाइट जीएसएटी-एन 2 या जीएसएटी 20 सफलतापूर्वक लॉन्च हो चुकी है। इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने स्पेस एक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट की मदद से सैटेलाइट की लॉन्च कराया। खबर है कि इस सैटेलाइट की मदद से संचार व्यवस्था और इंटरनेट के मामले में बड़े फायदे के आसार हैं। सैटेलाइट को 32 यूजर बीम्स से डिजाइन किया गया है, जिसमें 8 संकरी और 24 चौड़ी बीम शामिल हैं। इन सभी पर देशभर में फैले सब स्टेशन काम कर रहे हैं। खास बात है कि भारत लगभग 430 विदेशी सैटेलाइट लॉन्च कर चुका है, लेकिन इस विदेशी सैटेलाइट को केप कार्निवल से लॉन्च किया जाना था। मस्क से पहले भारत भारी सैटेलाइट्स के लिए यूरोप के एरियनस्पेस पर निर्भर रहता था। इस सफलतापूर्वक लॉन्चिंग के कुछ समय बाद ही स्पेस एक्स ने कुछ वीडियो जारी किए हैं, जिनमें नजर आ रहा है कि कैसे फॉल्कन 9 ने इन्हें अंतरिक्ष तक पहुंचाया। भारतीय सैटेलाइट 4700 किलोग्राम वजन की है।

नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा बैठक : 11 बिंदुओं पर संयुक्त हस्ताक्षर

काठमांडू

नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच तीन दिनों से चल रही उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हो गई। भारत के सीमा सुरक्षा बल एसएसबी के महानिदेशक और सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के नेतृत्व में हुई बैठक में सीमा पार अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने का निष्कर्ष निकाला गया है।

काठमांडू में तीन दिनों तक चली बैठक में दोनों देशों के संयुक्त प्रयास से सीमा सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाकर सीमा से अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्णय लिया गया है।

पिछले शनिवार को शुरू हुई बैठक में सशस्त्र पुलिस महानिरीक्षक राजू अर्याल और भारत के सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद ने 11 एजेंडे पर चर्चा के बाद संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। संयुक्त समझौता ज्ञापन में सीमा पार अपराध नियंत्रण और सीमा सुरक्षा पर सहयोग शामिल है। संयुक्त समझौता ज्ञापन में सीमा पार अपराध नियंत्रण और सीमा सुरक्षा पर सहयोग शामिल है।

बैठक में सहभागी गृह मंत्रालय के प्रवक्ता संयुक्त सचिव ऋषि राम तिवारी ने बताया कि सीमा अपराध नियंत्रण, सूचना आदान-प्रदान, राजस्व चोरी नियंत्रण, नशीली दवाओं की तस्करी और तीसरे देश के नागरिकों के अवैध प्रवेश पर नियंत्रण पर अधिक प्रभावी उपाय करने पर सहमति हुई।

उनके अनुसार, नेपाल की सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सशस्त्र पुलिस और भारत की एसएसबी के बीच बैठक में सीमा सुरक्षा को और अधिक व्यवस्थित बनाने, दसगजा क्षेत्र को अपराधमुक्त करने और सोने की तस्करी और मानव तस्करी को नियंत्रित करने के लिए संयुक्त पहल करने पर एक संयुक्त समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। बैठक में नेपाल की ओर से सशस्त्र बल के महानिरीक्षक अर्याल समेत गृह मंत्रालय, नेपाल पुलिस, जांच विभाग, सर्वेक्षण विभाग, विदेश मंत्रालय के उच्च सुरक्षा अधिकारियों की सहभागिता रही। भारत के सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने भाग लिया। बैठक में भारतीय पक्ष ने यह विचार प्रस्तुत किया कि तीसरे देशों के नागरिकों की पहचान की समस्या के कारण आपसी सहयोग आवश्यक है। इसी तरह, भारत ने कहा है कि चूंकि नेपाल के रास्ते तीसरे देशों से भारत में सोने की तस्करी हो रही है, इसलिए इसे नियंत्रित करने के लिए सहयोग जरूरी है। यह बैठक प्रत्येक वर्ष बारी-बारी से नेपाल और भारत में आयोजित की जाती थी। अब हर छह-छह महीने में बारी-बारी से बैठकें आयोजित करने का प्रस्ताव भी पारित हो गया है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष सीमा सुरक्षा अधिकारियों और जिला अधिकारियों की नियमित बैठक पर सहमत हुए है।

ब्रिटेन के शाही महल में चोरी, नकाबपोश ट्रक और बाइक चुराकर ले गए

लंदन। ब्रिटेन में शाही परिवार भी अब सुरक्षित नहीं रहा। ब्रिटिश राज घराने के शाही महल विंडसर कैसल में नकाबपोश ट्रक से दरवाजा तोड़कर महल मे घुसे।सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए नकाबपोश फार्म हाउस से एक छोटे ट्रक और बाइक को लेकर भाग गए। विंडसर पैलेस में जब यह घटना हुई उस समय किंग चार्ल्स और रानी कैमिला महल में नहीं थी। प्रिंस विलियम और कैट मिडलटन अपने तीन बच्चों के साथ जरूर महल के अंदर बने कॉटेज में सो रहे थे। यह घटना 13 अक्टूबर की बताई जा रही है। 2021 में भी सुरक्षा में बड़ी चूक हुई थी। एक हमलावर दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को मारने के लिए महल में घुसा था। उसे पकड़ लिया गया था। उसको कोर्ट ने 7 साल की सजा सुनाई थी। 2023 में भी एक व्यक्ति किंग चार्ल्स के निवास तक पहुंच गया था। जिसे सुरक्षा बल ने गिरफ्तार कर लिया था। ब्रिटेन का शाही महल अब सुरक्षित नहीं रहा।

चीन में बेरोजगारी के चलते हिंसक हो रहे युवा, कुछ दिनों में 43 की हत्या

बीजिंग

चीन में अर्थव्यवस्था में मंदी के हालात के चलते युवा वर्ग में हताशा बढ़ती जा रही है। बीते कुछ सालों में चीन की अर्थव्यवस्था में मैन्युफैक्चरिंग से लेकर आवास क्षेत्र में गिरावट देखी गई है। इससे न केवल बेरोजगारी बढ़ी है, बल्कि युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरियां भी नहीं मिल रही हैं, जिससे वे मानसिक तनाव और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। चीन के आर्थिक संकट की वजह से वहां के युवा निराश हो गए हैं। नौकरी की कमी और आर्थिक कठिनाइयों के चलते कुछ युवाओं ने हिंसा तक की घटनाओं को अंजाम दिया। हाल ही में पूर्वी चीन में एक युवक ने अपनी नौकरी से परेशान होकर चाकू से हमला कर आठ लोगों की हत्या कर दी और 17 अन्य को घायल कर दिया। इसी तरह की एक दूसरी घटना में दक्षिणी चीन के झुहाई में एक व्यक्ति ने अपनी कार से एक भीड़ को रौंद दिया, जिससे 35 लोग मारे गए और 43 घायल हुए। अक्टूबर में शंघाई के सुपरमार्केट में चाकूबाजी की घटना भी इसी तरह की एक दुखद घटना थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। इन घटनाओं के पीछे मुख्य कारण युवाओं का मानसिक तनाव और डिप्रेशन है, क्योंकि वे अपनी शिक्षा और योग्यता के अनुसार उचित नौकरी पाने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखते हुए चीन की सरकार ने आगामी पांच वर्षों में 1.4 ट्रिलियन डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की है। यह पैकेज भारत की कुल अर्थव्यवस्था का लगभग 40 प्रतिशत है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह राहत पैकेज पर्याप्त नहीं है और सरकार को और प्रयास करने चाहिए।चीन में बीते तीन दशकों में आर्थिक वृद्धि की दर बहुत तेज रही, लेकिन अब आर्थिक वृद्धि में ठहराव आ चुका है, जिसके कारण रोजगार के अवसर भी कम हो गए हैं। इस संकट को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को और राहत पैकेज जारी करने की आवश्यकता है, ताकि अर्थव्यवस्था को पुन: गति मिल सके और युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकें।

पाकिस्तान: आतंकियों ने 7 पुलिसकर्मियों का अपहरण किया

खैबर पख्तूनख्वा

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले के वजीर उपखंड में अज्ञात हथियारबंद आतंकवादियों ने रोचा चेक पोस्ट से 7 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक जियाउद्दीन अहमद ने इसकी पुष्टि की।

यह वाकया सोमवार रात का है। हथियारबंद आतंकवादी चेक पोस्ट को घेरने के बाद जबरन उसमें घुस गए और वहां तैनात पुलिसकर्मियों को बंदूक के दम पर बंधक बना लिया। इसके बाद उनकी राइफलें भी छीन लीं।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की बड़ी टुकड़ी इलाके में पहुंची और सुदूर और पहाड़ी इलाके में अपहृत पुलिस कर्मचारियों की तलाश में चप्पा-चप्पा छाना। रोचा चेक पोस्ट उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा पर बन्नू जिले के ओटमानजई पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित है।

यूक्रेन कभी भी दाग सकता है रूस पर लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलें

यूक्रेन

यूक्रेन कभी भी रूस पर अमेरिकी मिसाइलें दाग सकता है। अमेरिका से हाल ही में मिली लंबी दूरी की मिसाइलों के प्रयोग की राष्ट्रपति जो बाइडेन से अनुमति मिलने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम अपने रात्रिकालीन संबोधन में कहा कि इस बार आक्रमण को लेकर चेतावनी भी नहीं दी जाएगी।

बाइडेन प्रशासन के रूस के अंदर लंबी दूरी के हमलों में उसकी मिसाइलों के प्रयोग की अनुमति मिलने से यूक्रेन का हौसला बढ़ गया है। राष्ट्रपति बाइडेन के नरम रुख का मकसद रूस की सेनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से कमजोर करना है। बाइडेन की सहमति के बाद यूक्रेन ने कहा कि रूस के खिलाफ अमेरिकी मिसाइलों से पहला हमला जल्द ही बिना किसी चेतावनी के किया जाएगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने रात्रिकालीन संबोधन में साफ कर दिया है कि पहले हमले के बारे में कोई चेतावनी

नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, शब्दों से वार नहीं किया जाता। अब मिसाइलें गरजेंगी। वे निश्चित रूप से ऐसा करेंगे।

इस पर रूस ने प्रतिक्रिया दी है। मॉस्को में सोमवार को क्रेमलिन ने कहा कि बाइडेन प्रशासन का फैसला रूस और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के बीच सीधे टकराव की दिशा में एक बड़ा कदम है।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की रियो डी जेनेरियो में दुनिया के प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों से भेंट

रियो डी जेनेरियो

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो में दुनिया के प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात हुई है। इनमें दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर मुलाकात की तस्वीरें साझा कर खुशी जताई है।

प्रधानमंत्री मोदी से भेंट के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलना हमेशा खुशी की बात होती है, क्योंकि भारत के साथ हमारी साझेदारी समृद्ध और बहुआयामी है। हमने पिछली जनवरी में मेरी राजकीय यात्रा के दौरान शुरू की गई पहलों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही प्रमुख

अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने रियो डी जनेरियो में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ हुई मुलाकात पर एक्स हैंडल में लिखा, अत्यंत सार्थक बैठक हुई। भारत के लिए, यूके के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी अत्यंत प्राथमिकता है। आने वाले वर्षों में, हम प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, सुरक्षा, नवाचार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने के इच्छुक हैं। हम व्यापार के साथ-साथ सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूती देना चाहते हैं। भारत के प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने ब्राजील पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने यात्रा का प्रथम चरण नाइजीरिया में पूरा किया। प्रधानमंत्री की तीन देशों की यात्रा का तीसरा चरण 21 नवंबर को पूरा होगा। प्रधानमंत्री मोदी नई दिल्ली से 16 नवंबर को नाइजीरिया पहुंचे। वहां 17 नवंबर को उनका राष्ट्रपति विला में स्वागत किया गया। उन्होंने राष्ट्रपति टीनूबू के साथ बैठक भी की। प्रधानमंत्री मोदी रियो डी जनेरियो से गुयाना रवाना होंगे। वो वहां के जॉर्जटाउन में दूसरे कैरिकॉम-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

कॉन्सर्ट में आयुष्मान खुराना पर फैन ने उड़ाए डॉलर्स, उनके जवाब पर जमकर बजीं सीटियां

न्यूयॉर्क। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना इन दिनों अपने बैंड आयुष्मान भव के साथ अमेरिका के न्यूयॉर्क, शिकागो और जैन जोस जैसे शहरों में कॉन्सर्ट कर रहे हैं। एक्टर जब न्यूयॉर्क में परफॉर्म कर रहे थे तो उनके एक फैन ने उन पर डॉलर की गड्डी उड़ा दी। गांव-कस्बों में किसी इवेंट के दौरान जिस तरह कलाकार पर नोट उड़ाए जाते हैं उसी तरह आयुष्मान खुराना पर डॉलर उड़ाए गए। यह घटना तब हुई जब एक्टर परफॉर्म करने के दौरान पानी पीने के लिए रुके थे और स्टेज पर खड़े होकर पानी पी रहे थे। आयुष्मान खुराना ने पहले तो स्टेज पर पड़े उन डॉलर्स को देखा और फिर सामने ऑडियंस की तरफ देखकर एक क्यूट सी स्माइल दी। इसके बाद आयुष्मान खुराना ने माइक लिया और अपने इस दिलदार फैन से कहा, पाजी ऐसे ना करें यार। डोन्ट डू दिस प्लीज। ऐसे ना करो आप। आप इसको चैरिटी कर दें, या कुछ कर दें। ये मत करें आप प्लीज।